तापमान
अधिकतम 32 .5 डिग्री
न्यूनतम 16 .7 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, शनिवार, 11 अक्टूबर 2025

11 बाजरे की खरीद के मुद्दे लेकर किसानों ने सौंपा ज्ञापन

12 निर्जला व्रत रखकर शाम को छलनी से चांद का दीदार

खबर संक्षेप

बरोना में अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर

खरखौदा। बरोना गांव में पिछले कई वर्षों से कायम अवैध कब्जा आखिरकार प्रशासनिक सख्ती के बाद हटा दिया गया। ग्रामीणों की ओर से बार-बार की जा रही शिकायतों के बाद भी पहले कार्रवाई अधूरी रह जाती थी, जिससे कब्जा बरकरार बना हुआ था और यह गांव में चर्चा का विषय बना हुआ था। अबकी बार जिला उपायुक्त के आदेश पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त कर कब्जा हटाने की कार्रवाई की गई।

मुरथल में बुजुर्ग महिला ने जहर खाया, गंभीर

सोनीपत। मुरथल गांव के खिलना पाना में संदिग्ध परिस्थितियों में एक बुजुर्ग महिला द्वारा जहरीला पदार्थ निगलने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को अचानक महिला की तबीयत बिगड़ गई। परिजनों ने जब उसकी हालत गंभीर देखी तो तुरंत उसे नागरिक अस्पताल सोनीपत में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने हालत गंभीर देखते हुए उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया।

बाइक को वाहन ने टक्कर मारी, दो घायल

सोनीपत। जिले के ठरू गांव के पास शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ जब उनकी बाइक को तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर जा गिरे और गंभीर चोटें आईं। घायलों की पहचान फूल कुमार (42) और राहुल (27) निवासी चाटिया औलिया के रूप में हुई है। दोनों हादसे के समय किसी कार्य से सोनीपत की ओर जा रहे थे। अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर हालत को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

सोनीपत। क्राइम यूनिट वेस्ट सोनीपत सीआईए-1 की टीम ने अवैध हथियार रखने के मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सौरव निवासी गांव जाखौली, जिला सोनीपत के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, 9 अक्टूबर 2025 को मुख्य सिपाही मंदीप अपनी टीम के साथ गश्त और अपराध पड़ताल के दौरान गांव खेवड़ा स्थित स्टेडियम के पास मौजूद थे। इसी दौरान उन्हें खुफिया सूचना मिली कि एक युवक अवैध पिस्तौल लेकर खेवड़ा मोड़ पर किसी का इंतजार कर रहा है। पुलिस ने छापेमारी कर आरोपी से अवैध हथियार बरामद किया।

दिल्ली-अंबाला रेल लाइन पर हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर ओएचई लाइन पर गिरा

अप और डाउन दोनों लाइनों पर बिजली सप्लाई ठप होने से ट्रेनों की रफ्तार थमी

दिल्ली से पहुंची इंजीनियरों की टीम ने तार जोड़ा

सोनीपत। दिल्ली-अंबाला रेल लाइन पर शुक्रवार सुबह बड़ा तकनीकी हादसा होने से रेल परिचालन करीब दो घंटे तक बाधित रहा। सुबह लगभग 7:35 बजे हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर ओवरहेड इलेक्ट्रिक (ओएचई) लाइन पर गिर गया, जिससे अप और डाउन दोनों लाइनों पर बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इससे ट्रेनों की रफ्तार थम गई और कई मेल व एक्सप्रेस गाड़ियां अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ी रहीं।घटना की जानकारी मिलते ही नरेला और दिल्ली से रेलवे इंजीनियरों की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू किया। करीब दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद सुबह 9:23 बजे अप लाइन और 9:45 बजे डाउन लाइन का परिचालन बहाल किया गया। इस दौरान जीआरपी थाना प्रभारी विजयपाल, एचसी विकास और आरपीएफ की टीम भी मौके पर पहुंची और स्थिति पर नजर रखी।

कई स्टेशनों पर खड़ी रहीं ट्रेनें, यात्रियों को झेलनी पड़ी परेशानी

ओएचई तार टूटने से 16 ट्रेनें प्रभावित हुईं। पानीपत से गाजियाबाद जाने वाली सवारी गाड़ी (पीएनजी) को सोनीपत के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर रोका गया, जबकि पानीपत-दिल्ली सवारी गाड़ी (डीपीएम) प्लेटफॉर्म नंबर तीन पर खड़ी रही। वहीं लेडीज स्पेशल ट्रेन सांदल कलां, एचएनके एक्सप्रेस राजलू गढ़ी, केडीएम ट्रेन भोड़वाल माजरी और झेलम एक्सप्रेस बाबरपुर स्टेशन पर रोकी गई। सुबह ऑफिस जाने वाले हजारों यात्रियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने दिल्ली या पानीपत पहुंचने के लिए बसों और निजी वाहनों का सहारा लिया। सोनीपत रेलवे स्टेशन पर सुबह के समय अफरातफरी का माहौल रहा।

रेलवे ने शुरू की जांच

रेलवे विभाग ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि हाईटेंशन लाइन किस कारण से गिरी और क्या पूर्व में इसकी मेंटेनेंस की गई थी। अधिकारियों का कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सुरक्षा उपायों को और मजबूत किया जाएगा। तकनीकी खामी से उपजा यह संकट भले ही कुछ घंटे में सुलझ गया हो, लेकिन यात्रियों को हुई परेशानी ने रेलवे व्यवस्था की संवेदनशीलता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

यात्रियों पर पड़ा असर

सोनीपत रेलवे स्टेशन से रोजाना करीब 45 हजार यात्री दिल्ली और पानीपत के बीच सफर करते हैं। अचानक हुए इस तकनीकी हादसे से स्टेशन पर भीड़ बढ़ गई और टिकट काउंटरों पर लंबी कतारें लग गईं। रेल अधिकारियों के अनुसार, यह घटना हाईटेंशन लाइन के गिरने के कारण हुई, जिससे ओएचई तार टूट गया। इंजीनियरिंग टीम ने तत्परता दिखाते हुए दोनों लाइनों को दो घंटे के भीतर दुरुस्त कर परिचालन बहाल कर दिया।

दो घंटे बाद तार जोड़ा

अंबाला-दिल्ली रेल लाइन पर सोनीपत-हरसाना स्टेशन के बीच हाईटेंशन लाइन का तार गिरने से ओएचई तार टूट गया था। जिससे अप व डाउन लाइन पर रेलवे यातायात बाधित हो गया था। दिल्ली से पहुंची इंजीनियर की टीम ने करीब दो घंटे में तार को दोबारा जोड़ दिया।

कौनसी ट्रेन कितनी देरी से चली

अप लाइन की ट्रेनें

ट्रेन संख्या	नाम	देरी
12483	कोच्चुवली-अमृतसर ट्रेन	1.43 घंटे
12497	शान ए पंजाब	1.20 घंटे
64531	दिल्ली-पानीपत मेमू	1.12 घंटे
12011	कालका-शताब्दी एक्सप्रेस	1.55 घंटे
64465	नई-दिल्ली-कुरुक्षेत्र पैसेंजर	2.00 घंटे
11841	गीता जयंती एक्सप्रेस	1.32 घंटे
64533	दिल्ली-पानीपत मेमू	1.00 घंटे

डाउन लाइन

05302	मऊ त्योहार स्पेशल	9.03 घंटे
64002	पानीपत-दिल्ली ईएमयू	1.00 घंटे
64470	पानीपत-नई दिल्ली लेडीज स्पेशल	1.30 घंटे
64462	हजरत निजामुद्दीन-कुरुक्षेत्र	2.15 घंटे
64452	केडीएम पैसेंजर	3.00 घंटे
11078	झेलम एक्सप्रेस	2.00 घंटे
645366	पानीपत-दिल्ली मेमू	1.10 घंटे
14508	बठिंडा एक्सप्रेस	1.15 घंटे

निजी स्कूल का मामला: जिला शिक्षा अधिकारी की जांच में आरोप सही निकले

छात्रा से स्कूल में पोंछा लगवाने पर केस दर्ज

गोहाना। गांव रिंढाना के निजी स्कूल में प्राचार्य द्वारा पांचवीं कक्षा की छात्रा से क्लास रूम में पोछा लगवाने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। खंड शिक्षा अधिकारी ने जांच करके रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी, जिसमें बच्ची से पोछा लगवाने के आरोप सही पाए। रिपोर्ट के आधार पर और बच्ची की मां की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया। बरोदा थाना में प्राचार्य एकता सांगवान पर 75 जेजे एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। एक महिला ने 12 सितंबर को सीटीएम और पुलिस अधिकारियों शिकायत दी थी। महिला ने अधिकारियों को बताया था कि उसकी बेटी पड़ोसी के गांव रिंढाना के एमआरएन पब्लिक स्कूल में पांचवीं कक्षा में पढ़ती है। उसकी बेटी 29 अगस्त को बुखार होने के कारण होमवर्क नहीं कर पाई थी।

होमवर्क ने करने पर बच्ची का उत्पीड़न

उस दिन बेटी स्कूल गई तो होम वर्क न करने का पता चलने पर स्कूल प्राचार्य एकता सांगवान ने उसकी बेटी से क्लास रूम में पोछा लगवाया और अमानवीय व्यवहार करने की धमकी दी। उसकी बेटी को छोटे बच्चों के सामने कक्षा में ले जाकर शेम-शेम बुलवाया था। प्राचार्य ने चेतावनी दी कि यदि आगे भी होमवर्क पूरा नहीं किया तो उसके बाल मुंडवा दिए जाएंगे। इससे उसकी बेटी स्कूल जाने से डरने लगी थी। चिकित्सक को दिखाया गया तो कहा कि बच्ची सदमे में और स्कूल बदलवाने की सलाह दी। बच्ची की मां ने यह भी आरोप लगाया था कि जब उसकी बहन ने स्कूल निदेशक से इसी मामले में शिकायत की तो बोला सजा से बच्चों में डर पैदा होता है।

युवक पर हमला करने के आरोपी काबू

सोनीपत। थाना सिविल लाइन पुलिस ने युवक पर तेजधार हथियार से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाने के मामले में तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान कृष्ण उर्फ किशन ललित और अजय उर्फ डोगा, तीनों निवासी राजीव नगर, सोनीपत के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और लोहे की रॉड भी बरामद की है। जानकारी के अनुसार, 16 अगस्त को यश निवासी मोहम्मदाबाद, हाल निवासी न्यू बाबा कॉलोनी, सोनीपत ने थाना सिविल लाइन में शिकायत दी थी कि जब वह अपने दोस्त की बाइक पर सवार होकर कबीरपुर से घर लौट रहा था, तभी परशुराम चौक के पास कुछ युवकों ने उसका रास्ता रोक लिया। आरोप है कि रामदिया कबाड़ी के लड़के ने उसके सिर पर तलवार से वार किया, जबकि अन्य हमलावरों जोगी, अरमान, पारस हरियाणा और डोगा ने रॉड, लाठी और तेजधार हथियारों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया।

स्वास्थ्य विभाग के बेड़े में चार नई एंबुलेंस शामिल

जिला नागरिक अस्पताल और खानपुर कलां स्थित महिला मेडिकल कॉलेज में तैनात किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

शुक्रवार को जिला स्वास्थ्य विभाग के जीवन वाहिनी एंबुलेंस बेड़े में चार नई एंबुलेंस गाड़ियां शामिल की गई। इन एंबुलेंसों को जिला नागरिक अस्पताल सोनीपत और खानपुर कलां स्थित महिला मेडिकल कॉलेज में तैनात किया जाएगा। नई एंबुलेंसों के जुड़ने से मरीजों को आपातकालीन स्थिति में बेहतर और समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकेगी। जिला नागरिक अस्पताल परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व सांसद रमेश कौशिक एवं भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर एंबुलेंसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य अधिकारी डा. ज्योत्सना सहित अन्य चिकित्सक और स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

27 एंबुलेंस व अन्य वाहन इनमें से 11 गाड़ियां कंडम

बता दें कि जिला स्वास्थ्य विभाग के पास वर्तमान में 27 एम्बुलेंस और अन्य चिकित्सा गाड़ियां हैं, लेकिन इनमें से 11 गाड़ियां कंडम हालत में पहुंच चुकी हैं, जिनका अब भी उपयोग किया जा रहा है। कंडम गाड़ियों का बेड़े में होना विभाग के लिए बड़ी चुनौती साबित हो रहा है, क्योंकि इनकी मरम्मत में होने वाले खर्च और इनकी क्षमता बेहद ज्यादा आ रही है। इसके परिणामस्वरूप, समय पर आपातकालीन सेवाओं की आपूर्ति में भी दिक्कतें आ रही है। विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए कम से कम 20 नई एम्बुलेंस की आवश्यकता है, जिससे मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल सके।

सोनीपत के विद्यार्थियों में उद्यमिता की भावना जगाने की पहल

कौशल बिजनेस चैलेंज से जलेगी स्वरोजगार की अलख, 929 छात्र व 250 शिक्षक पोर्टल से जुड़े

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

सरकारी विद्यालयों में अब विद्यार्थी सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि अपने रोजगार का रास्ता खुद तय करने की तैयारी भी कर रहे हैं। शिक्षा विभाग की पहल कौशल बिजनेस चैलेंज (केबीसी) योजना विद्यार्थियों के भीतर स्वरोजगार की भावना जगाने का माध्यम बन रही है। इस योजना के जरिए विद्यार्थियों से रोजगार और उद्यमिता से जुड़े रचनात्मक सुझाव आमंत्रित किए जा रहे हैं, ताकि वे भविष्य में नौकरी तलाशने की बजाय खुद रोजगार सृजनकर्ता बन सकें। नई शिक्षा नीति के अनुरूप यह योजना विद्यार्थियों में कौशल शिक्षा, नवाचार और उद्यमिता की भावना को बढ़ावा देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। इससे युवा न केवल आत्मनिर्भर बनेंगे, बल्कि समाज में रोजगार सृजन के नए अवसर भी पैदा करेंगे। अब तक जिले के 250 शिक्षकों और 929 विद्यार्थियों ने इस पोर्टल पर पंजीकरण कराया है।

श्रेष्ठ सुझाव देने वाली टीमों को मिलेगा राज्यस्तरीय सम्मान

10 श्रेष्ठ टीमों को चुना जाएगा 5-5 हजार रुपये दिए जाएंगे

5-5 टीमों का किया जाएगा चयन

अमित मनवाला ने बताया कि कार्यशालाओं के माध्यम से ब्लॉक स्तर पर श्रेष्ठ सुझाव देने वाली 5-5 टीमों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक टीम में लगभग 5 विद्यार्थी होंगे, जो मिलकर अपना बिजनेस आइडिया प्रस्तुत करेंगे। इन सुझावों का मूल्यांकन विशेषज्ञों की टीम द्वारा किया जाएगा। चयनित टीमें पहले जिला स्तर की कार्यशाला में भाग लेंगी, जहां 10 श्रेष्ठ टीमों को चुना जाएगा। इन टीमों को 5-5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी ताकि वे अपने विचारों को और सशक्त बना सकें। इसके बाद जिला स्तर पर चयनित 10 टीमें राज्यस्तरीय कार्यशाला में हिस्सा लेंगी। वहां श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली 5 टीमों को प्रत्येक को 20 हजार रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा।

शिक्षकों व विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया

कौशल बिजनेस चैलेंज योजना के माध्यम से विद्यार्थियों से रोजगार संबंधी सुझाव मांगे गए हैं। श्रेष्ठ सुझाव देने वाले विद्यार्थियों की टीम को पुरस्कृत किया जाएगा। साथ ही विजेता टीम को राज्यस्तरीय कार्यशाला में शामिल होने का अवसर मिल सकेगा। इसके लिए पंजीकरण के साथ शिक्षकों व विद्यार्थियों को सुझाव पेश करने संबंधी प्रशिक्षण भी दिया गया है। -सुजाता खत्री, जिला परियोजना संयोजक

पिस्सू अपने शरीर की लंबाई से 350 गुना तक छलांग लगा सकते हैं।

यंगभूमि

मगरमच्छ अपनी जीभ बाहर नहीं निकाल सकते।

पोस्ट अधिकारी बनकर भी चमका सकते हैं करियर

नॉलेज

यंगभूमि डेस्क

हर गांव में एक पोस्ट ऑफिस मुख्य रूप से उपलब्ध होता है। कई ऐसे छोटे गांव है, जहां पर डाकघर नहीं होगा लेकिन हर एक पंचायत में एक डाकघर अवश्य है। पोस्ट ऑफिस में अलग-अलग पदों पर पोस्ट अधिकारी काम करते हैं। पोस्ट वितरित करने वाले डाकिए से लेकर ब्रांच मैनेजर तक पोस्ट ऑफिसर अपनी-अपनी भूमिका निभाते हैं। जब हम अपने आसपास किसी भी पोस्ट ऑफिसर को देखते हैं तो हमारे मन में भी ख्याल आता है, कि पोस्ट ऑफिसर कैसे बन सकते हैं। आज के इस आर्टिकल में हम आपको पोस्ट ऑफिसर कैसे बनें। इसके बारे में डिटेल में जानकारी देने का प्रयास करेंगे।

पोस्ट अधिकारी

भारतीय पोस्ट यानी कि इंडियन डाक डिपार्टमेंट में काम करने वाला हर एक कर्मचारी पोस्ट ऑफिसर कहलाता है। डाक वितरित करने वाले अधिकारी को भी पोस्ट ऑफिसर के नाम से कहा जाता है। हालांकि सामान्य भाषा में डाकिया भी कहते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए विद्यार्थी कौन-कौन से काम करके पोस्ट ऑफिसर बन सकता है। इसकी जानकारी हम आपको इस आर्टिकल के जरिए देने का पूरा प्रयास करेंगे।

ये चाहिए जरूरी दस्तावेज

सरकार के द्वारा रिक्त पदों के आधार पर नियमित रूप से पोस्ट ऑफिस पर पद पर अलग-अलग भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में आप अपना आवेदन लगाकर पोस्ट ऑफिसर बन सकते हैं। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी दस्तावेज नीचे कुछ इस प्रकार से दिए गए हैं:

- आवेदक का आधार कार्ड
- पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ
- बैंक पासबुक
- मूल निवास प्रमाण पत्र
- ग्रेजुएशन का सर्टिफिकेट
- कंप्यूटर डिप्लोमा का सर्टिफिकेट

जॉब के लिए योग्यता

जो उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर बनना चाहते हैं। उन उम्मीदवारों को कई तरह की योग्यता का मुख्य रुप से ध्यान रखना होता है। पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए जरूरी योग्यता नीचे कुछ इस प्रकार से दी गई है:

- पोस्ट ऑफिसर बनने वाले सभी कर्मचारियों को सबसे पहले भारत की नागरिकता का मापदंड पूरा करना होगा। जो कर्मचारी भारत के नागरिक है। उनको पोस्ट ऑफिसर बनने का मौका मिलेगा।
- पोस्ट ऑफिस पद पर निकलने वाली भर्ती के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारी की उम्र 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच होना अनिवार्य है।
- आवेदक मानसिक रूप से और शारीरिक रूप से पूरी तरह से स्वस्थ होना जरूरी है।
- आवेदक को कंप्यूटर का बेहतरीन नॉलेज होना चाहिए और कंप्यूटर के बेहतरीन नॉलेज के साथ-साथ एमएससीआईटी और सीसीसी कोर्स करना आवश्यक है।
- आवेदक के पास न्यूनतम ग्रेजुएशन डिग्री होना जरूरी है ग्रेजुएशन डिग्री के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर के लिए अपना आवेदन लगा पाएंगे।
- उम्मीदवार का किसी भी तरह से क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए हालांकि यह पुलिस वेरीफिकेशन सर्टिफिकेट जो क्रिमिनल रिकॉर्ड ना होने का दावा करता है। यह आपके लिखित परीक्षा में पास होने के बाद पूछा जाने वाला एक दस्तावेज है।

ये प्रोसेस अपनाएं

पोस्ट ऑफिसर बनने का सपना देखने वाले कर्मचारियों को कई तरह से तैयारी करनी होती है। सर्वप्रथम कर्मचारियों को पहले ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करनी होगी। ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल करने के बाद ही आप पोस्ट ऑफिसर बनने के योग्य होते हैं।

पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए उम्मीदवार को सबसे पहले 12वीं कक्षा पास करने के बाद किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त करनी होगी। विद्यार्थी को किसी भी विषय वर्ग के साथ ग्रेजुएशन की डिग्री अच्छे अंकों के साथ बात करनी है। क्योंकि विद्यार्थी के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री न्यूनतम योग्यता के तौर पर पोस्ट ऑफिसर के लिए मानी जाती है। हालांकि पुराने जमाने में डाकिया बनने के लिए कोई भी ग्रेजुएशन डिग्री की जरूरत नहीं होती थी। लेकिन वर्तमान में नए मापदंड के आधार पर डाकिया बनने के लिए भी आपको ग्रेजुएशन की डिग्री के साथ ही आप आवेदन लगा सकेंगे।

परीक्षा और इंटरव्यू : डाक भर्ती का लिखित पेपर पास करने के पश्चात कुछ विशेष पदों के लिए इंटरव्यू का आयोजन भी किया जाता है। इंटरव्यू प्रक्रिया के बाद में फाइनल मेरिट लिस्ट की घोषणा होती है और उसके आधार पर आप को चयनित कर के दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाता है। पोस्ट ऑफिस तक पद पर काम करने वाले उम्मीदवार को शुरुआत में बेसिक सैलरी 20000 से लेकर 38000 तक प्रदान करवाई जाती है।

भर्ती में आवेदन करें

जब विद्यार्थी ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल कर देता है। तो उसके पश्चात विद्यार्थी को पोस्ट ऑफिसर बनने के लिए सरकार के द्वारा नियमित रूप से रिक्त पदों के अनुसार भर्तियों का आयोजन किया जाता है। उन भर्तियों में अपना आवेदन लगा कर भर्ती की परीक्षा की तैयारी करनी चाहिए।

भर्ती परीक्षा की तैयारी करें

जब उम्मीदवार पोस्ट ऑफिसर पद के लिए निकाली जाने वाली भर्ती में अपना आवेदन लगा देता है तो उसके पश्चात उस विद्यार्थी को परीक्षा के सिलेबस को समझते हुए और एग्जाम पैटर्न को समझते हुए बेहतरीन तैयारी करनी चाहिए। क्योंकि वर्तमान में हर पद के लिए बहुत ही ज्यादा कंपटीशन भारत में है। सरकारी नौकरी को लेकर चपरासी पद के लिए भी जबरदस्त कंपटीशन वर्तमान समय में देखने को मिलता है। ऐसे में आपको नियमित पांच से 6 घंटे तक पढ़ाई करते हुए पोस्ट ऑफिसर भर्ती परीक्षा के सिलेबस को पूरा पढ़ना चाहिए और उसके बाद पोस्ट ऑफिस परीक्षा के एग्जाम को क्लियर करना है।

विद्यार्थियों को नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता

बीबीए के बाद करियर विकल्प : कॉर्पोरेट और सरकारी जगत में सुनहरे अवसर

डॉ. मोहित बंसल

करियर कोच एवं मोटिवेशनल स्पीकर

तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम

बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए) तीन वर्षीय स्नातक प्रबंधन पाठ्यक्रम है, जो विद्यार्थियों को प्रबंधन विज्ञान, व्यवसाय रणनीति और नेतृत्व कौशल की गहरी समझ प्रदान करता है। इसमें प्रायः मार्केटिंग, फाइनेंस, अकाउंटिंग, ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, ऑपरेशन्स, बिजनेस इकोनॉमिक्स, बिजनेस कम्युनिकेशन, आंत्रप्रेन्योरशिप और बिजनेस लॉ जैसे विषयों का अध्ययन कराया जाता है। इन विषयों का वास्तविक जीवन में अत्यधिक महत्व है,मार्केटिंग किसी भी कंपनी की ब्रांड छवि और बिक्री बढ़ाने का प्रमुख स्तंभ है, फाइनेंस और अकाउंटिंग संस्थान की आर्थिक रीढ़ हैं, एचआर प्रबंधन संगठन की कार्यकुशलता और टीम भावना को मजबूत करता है, जबकि बिजनेस लॉ और स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट संस्थान को कानूनी, नैतिक और प्रतिस्पर्धात्मक दृष्टि से सक्षम बनाते हैं। इस प्रकार बीबीए न केवल छात्रों को कॉर्पोरेट जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करता है, बल्कि उन्हें समस्या समाधान, निर्णय क्षमता, नेतृत्व और टीमवर्क जैसी प्रायोगिक कौशलों से भी सुसज्जित करता है। नई शिक्षा नीति (एन.ई.पी. 2020) के अनुसार अब विद्यार्थी बीबीए को तीन वर्षों में सामान्य स्नातक डिग्री के रूप में या चार वर्षों में बीबीए ऑनर्स के रूप में भी पूरा कर सकते हैं।

विशेषज्ञता चुनी जा सकती

बीबीए/ऑनर्स में विषय-गहनता के साथ विशेषज्ञता चुनी जा सकती है। निम्नलिखित प्रमुख विशेषज्ञताएं इस प्रकार हैं।
विपणन (मार्केटिंग) वित्त लेखा
मानव संसाधन प्रबंधन । परिचालन/संचालन
व्यवसाय विश्लेषिकी (बिजनेस एनालिटिक्स)
अंतरराष्ट्रीय व्यापार, उद्यमिता, आपूर्ति श्रृंखला व लॉजिस्टिक्स, खुदरा प्रबंधन, बैंकिंग और बीमा
डिजिटल मार्केटिंग, पर्यटन व आतिथ्य प्रबंधन
इन विशेषज्ञताओं का प्रत्यक्ष उपयोग बिक्री-वृद्धि, लाभप्रदता, लागत-नियंत्रण, प्रतिभा-प्रबंधन, डेटा-व्याख्या, वैश्विक विस्तार और ग्राहक-अनुभव को बेहतर बनाने में होता है।

इंडस्ट्री स्किल्स की भूमिका

सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि कार्यान्वयन-योग्य कौशल ही करियर को तीव्र गति देते हैं,यही आज के उद्योग मानक हैं। निम्नलिखित आवश्यक कौशल इस प्रकार हैं। प्रभावशाली लिखित/मौखिक संचार व प्रस्तुतीकरण, उन्नत स्प्रेडशीट/एमआईएस, मूल वित्तीय विश्लेषण, बजट/पूर्वानुमान, सीआरएम/ईआरपी जैसे व्यावसायिक उपकरणों की समझ, डेटा-आधारित सोच, व्यवसाय विश्लेषण की बुनियाद, बिक्री-वार्ता, ग्राहक-सम्बंध प्रबंधन, सेवा-उत्कृष्टता, परियोजना-प्रबंधन, समय-प्रबंधन, टीमवर्क व नेतृत्व, इंटर्नशिप/ लाइव-प्रोजेक्ट/ उद्योग-प्रमाणन, (गूगल/ मेटा/ टैली/ एक्सेल आदि)

उच्च अध्ययन के विकल्प

उच्च शिक्षा नेतृत्व-स्तरीय प्रगति, वैश्विक मानकों की विशेषज्ञता और करियर-गतिशीलता को गति देती है,बीबीए के बाद सही कार्यक्रम चुनना करियर-वृद्धि का गुणक सिद्ध होता है।

निम्नलिखित प्रमुख उच्च अध्ययन विकल्प इस प्रकार हैं। एम.बी.ए. (विपणन/वित्त/मानव, संसाधन/ संचालन/ व्यवसाय, विश्लेषिकी/ अंतरराष्ट्रीय व्यापार/उद्यमिता) पी.जी.डी.एम. (उद्योग-उन्मुख प्रबंधन), एम.कॉम. (लेखा/वित्त में गहनता), विधि स्नातक (एल.एल.बी.) – कॉर्पोरेट/ व्यापार कानून, व्यवसाय विश्लेषिकी/डेटा विज्ञान में पी.जी. कार्यक्रम, मानव संसाधन प्रबंधन (एम.एच.आर.एम.), अंतरराष्ट्रीय व्यापार (एम.आई.बी.), हॉस्पिटैलिटी/ टूरिज़्म प्रबंधन सीए/ सीएस/ सीएमए जैसी व्यावसायिक योग्यताएं (पात्रता के अनुसार), लोक नीति/ विकास प्रबंधन/ सार्वजनिक प्रशासन में स्नातकोत्तर।

ले सकते हैं सलाह

- बीबीए कॉर्पोरेट नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और उद्यमशीलता की स्वर्ण-डोरी है,सही विशेषज्ञता, ठोस कौशल और अनुशासित निष्पादन के साथ आप उच्च-विकास निजी भूमिकाएँ, स्थिर एवं सम्मानजनक सरकारी सेवाएं और विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा,तीनों मार्गों पर तेजी से आगे बढ़ सकते हैं।
- **सुझाव:** किसी भी करियर का चुनाव करने से पहले किसी योग्य करियर सलाहकार से सलाह जरूर लें। अधिक जानकारी के लिए आप **www.career-jaano.com**पर भी विजिट कर सकते हैं।

निजी क्षेत्र में विकल्प

कॉर्पोरेट जगत उच्च-प्रभाव, परिणाम-उन्मुख और ग्राहक-केंद्रित पेशेवरों की तलाश में है,बीबीए स्नातक ठीक इसी मांग को पूरा करते हैं। वे ब्रांड-वृद्धि, राजस्व-त्वरण, लागत-दक्षता और संचालन-उत्कृष्टता के माध्यम से संस्थान को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाते हैं।

निम्नलिखित "विशेषज्ञता-आधारित" भूमिकाएं इस प्रकार हैं।

1) विपणन/ डिजिटल/ खुदरा विपणन कार्यकारी, ब्रांड/ कैम्पेन सहायक, डिजिटल मार्केटिंग प्रशिक्षु एसईओ/ सोशल मीडिया समन्वयक, सीआरएम कार्यकारी, माल-विक्रय योजनाकर्ता।

2) वित्त/ लेखा/ बैंकिंग-बीमा वित्तीय विश्लेषक प्रशिक्षु, लेखा सहायक, जीएसटी/कर सहायक ऋण-प्रसंस्करण/क्रेडिट समन्वयक, जोखिम-विश्लेषण सहायक, बीमा-अंडरराइटिंग सहायक

3) मानव संसाधन (एचआर) एचआर सहायक, भर्ती समन्वयक, पेरोल/कम्प्लायंस सपोर्ट प्रशिक्षण व विकास समन्वयक, कर्मचारी-संबंध कार्यकारी

4) संचालन/आपूर्ति श्रृंखला/ लॉजिस्टिक्स संचालन सहायक, गुणवत्ता आश्वासन सहायक, क्रय/ प्रोक्योरमेंट सहायक सप्लाई-चेन समन्वयक, इन्वेंट्री/ वितरण योजनाकर्ता

5) व्यवसाय विश्लेषिकी/ एमआईएस एमआईएस कार्यकारी, व्यवसाय विश्लेषण सहायक, रिपोर्टिंग/ डैशबोर्ड समन्वयक

विशेषज्ञता से स्वतंत्र "सामान्य" विकल्प (किसी भी बीबीए स्नातक हेतु) इस प्रकार हैं, ग्राहक सेवा कार्यकारी, इनसाइड-सेल्स/ एसडीआर, प्रशासनिक सहायक ई-कॉमर्स संचालन सहायक, प्रोजेक्ट समन्वयक कंटेंट/ कम्युनिकेशन समन्वयक, उद्यमिता/ स्टार्टअप समन्वयक।

आय-सीमा (निजी क्षेत्र)

- **फ्रेशर:** लगभग 3.0–5.5 लाख वार्षिक (स्थान/ क्षेत्र/ कंपनी पर निर्भर)
- अनुभवी (5–10 वर्ष): लगभग 8–22 लाख वार्षिक; उच्च-विकास भूमिकाओं/एमएनसी/एमबीए पश्चात 25–30 लाख+ सम्भव

सरकारी क्षेत्र में विकल्प

सरकारी सेवाएं स्थायित्व, सामाजिक प्रतिष्ठा और दीर्घकालिक सुरक्षा का समन्वय हैं। बीबीए पृष्ठभूमि के छात्र प्रशासनिक दक्षता, वित्तीय अनुशासन और संचालन-समझ के कारण अनेक प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में सशक्त दावेदारी रखते हैं।

निम्नलिखित प्रमुख परीक्षाएं/ विकल्प इस प्रकार हैं,

1) बैंकिंग व बीमा : एसबीआई/ आईबीपीएस पीओ व क्लर्क, आरआरबी ऑफिस असिस्टेंट एलआईसी/अन्य सरकारी बीमा उपक्रम,असिस्टेंट/प्रशासनिक अधिकारी

2) कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) : सीजीएल के अन्तर्गतः सहायक लेखा अधिकारी, आयकर सहायक, निरीक्षक/लेखीरीक्षण सहायक सीएचएसएल/अन्य स्नातक पदः डाक/कार्यालय सहायक, डेटा प्रविष्टि इत्यादि

3) संघ व राज्य लोक सेवा आयोग : सिविल सेवाएं (आईएएस, आईपीएस, आईआरएस आदि), राज्य प्रशासनिक/वाणिज्यिक कर सेवाएं

4) रेलवे/ पीएसयू/ अन्य बोर्ड: रेलवे एनटीपीसी/कार्यालय सुपरिंटेंडेंट, सार्वजनिक उपक्रमों में प्रशासनिक/वाणिज्यिक पद एफसीआई, ईएसआईसी, ईपीएफओ जैसे संगठनों में उपयुक्त स्नातक पद

5) रक्षा सेवाए : सीडीएस/ एएफसीएटी के माध्यम से अधिकारी प्रशिक्षण,नेतृत्व व राष्ट्र-सेवा का गौरवपूर्ण मार्ग लेफ्टिनेंट, आर्मी एजुकेशन कोर अफसर, अकाउंट अफसर एडमिनिस्ट्रेटिव अफसर लोजिस्टिक्स सप्लाई अफसर टेरीटोरियल आर्मी अफसर

आय-सीमा (सरकारी क्षेत्र):
फ्रेशर: लगभग 3.5–7.5 लाख वार्षिक (आम तौर पर पे-लेवल 5–7)
अनुभवी/वरिष्ठ: लगभग 9–20 लाख वार्षिक; उच्च सेवाओं/उच्च ग्रेड-पे में इससे अधिक, साथ में भत्ते/सुविधाएं

स्क्रीन टाइम कम करें, मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को समृद्ध बनाएं

मोटिवेशनल

डॉ. दिव्या तंवर

आज का युग डिजिटल क्रांति का है, लेकिन स्मार्टफोन, सोशल मीडिया और स्क्रीन की चमक में खोकर हम अपने मानसिक स्वास्थ्य, पढ़ाई और जीवन के अनमोल पलों को नजरअंदाज कर रहे हैं। खासकर छात्रों के लिए, जो अपने भविष्य की नींव रख रहे हैं, स्क्रीन टाइम को सीमित करना और समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताना न केवल मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि जीवन को भी समृद्ध करता है। यह लेख हिंदी में छात्रों को प्रेरित करता है कि वे स्क्रीन की लत से बाहर निकलें और अपने मानसिक स्वास्थ्य व आत्म-विकास पर ध्यान दें। अत्यधिक स्क्रीन टाइम न केवल हमारी आँखों और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव डालता है।

तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता

सोशल मीडिया पर तुलना, साइबरबुलिंग, और लगातार ऑनलाइन बने रहने का दबाव छात्रों में तनाव, चिंता और अवसाद को बढ़ाता है। इसके साथ ही, स्क्रीन की नीली रोशनी नींद को प्रभावित करती है, जिससे एकाग्रता और उत्पादकता कम होती है। लेकिन अगर आप इस समय को नियंत्रित करें, तो आप अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

स्क्रीन टाइम से होने वाली मानसिक स्वास्थ्य समस्याए

तनाव और चिंता: परीक्षा का दबाव, सामाजिक अपेक्षाएँ, और सोशल मीडिया पर दूसरों से तुलना छात्रों में चिंता को बढ़ाती है। स्क्रीन टाइम इस तनाव को और गहरा करता है।

अवसाद: लगातार स्क्रीन पर समय बिताने से अकेलापन और आत्मसम्मान में कमी आती है, जो अवसाद का कारण बन सकता है।

एकाग्रता में कमी: लगातार नोटिफिकेशन्स और मल्टीटास्किंग के कारण पढ़ाई में ध्यान लगाना मुश्किल हो जाता है।

नींद की कमी: देर रात तक स्क्रीन पर समय बिताने से नींद की गुणवत्ता प्रभावित होती है, जो मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाती है।

साइबरबुलिंग: ऑनलाइन ट्रोलिंग और नकारात्मक कमेंट्स आत्मविश्वास को कम करते हैं और भावनात्मक तनाव को बढ़ाते हैं।

स्क्रीन टाइम कम करने के फायदे

स्क्रीन टाइम को सीमित करके आप अपने मानसिक स्वास्थ्य और जीवन को कई तरह से बेहतर बना सकते हैं।

बेहतर एकाग्रता: स्क्रीन से दूरी बनाकर आप पढ़ाई और अन्य कार्यों में अधिक ध्यान दे पाएंगे।

मानसिक शांति: योग और ध्यान तनाव को कम करते हैं और दिमाग को शांत रखते हैं।

स्वस्थ जीवनशैली: स्क्रीन टाइम की जगह योग, व्यायाम, और प्रकृति के साथ समय बिताने से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

नए कौशल का विकास: खाली समय में आप कोई नया कौशल जैसे कोडिंग, लेखन, या कोई वाद्य यंत्र सीख सकते हैं।

मजबूत रिश्ते: परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताने से भावनात्मक समर्थन मिलता है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए जरूरी है।

जीवन को बेहतर बनाने के उपाय

समय सीमा तय करें: रोजाना स्क्रीन टाइम को 1-2 घंटे तक सीमित करें। फोन पर टाइमर या ऐपलिमिटर का उपयोग करें।

स्क्रीन-फ्री ज़ोन: पढ़ाई का स्थान और बेडरूम को स्क्रीन-फ्री रखें। सोने से पहले फोन का उपयोग बंद करें।

योग और ध्यान अपनाएं : सुबह 10-15 मिनट सूर्य नमस्कार, प्राणायाम, या मेडिटेशन करें। यह तनाव कम करता है और एकाग्रता बढ़ाता है।

नए कौशल सीखें: अपने समय को रचनात्मक कार्यों में लगाएं, जैसे कोई भाषा सीखना, पेंटिंग, या डिजिटलस्किल्स। यह आत्मविश्वास बढ़ाता है और भविष्य के लिए उपयोगी है।

परिवार के साथ समय: परिवार के साथ भोजन करें, बातचीत करें, या कोई खेल खेलें। यह अकेलेपन को कम करता है और रिश्तों को मजबूत करता है।

प्रकृति के करीब जाएं: पार्क में टहलें, पेड़-पौधों के बीच समय बिताएँ। यह मानसिक तनाव को कम करता है।

परामर्श लें: अगर तनाव या अवसाद लगे, तो किसी विश्वसनीय व्यक्ति या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें।

छोटे कदम, बड़े बदलाव : स्क्रीन टाइम कम करना शुरू में मुश्किल लग सकता है, लेकिन छोटे कदमों से आप इसे आसानी से हासिल कर सकते हैं। हर दिन एक घंटा कम स्क्रीन टाइम का मतलब है हर हफ्ते 7 घंटे आपके पास योग, पढ़ाई, परिवार, या नए कौशल के लिए। यह समय आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएगा और आपके सपनों को हकीकत में बदलने में मदद करेगा। छात्र जीवन आपके भविष्य का आधार है। स्क्रीन की चमक में खोने के बजाय, अपने समय को योग, एकाग्रता, नए कौशल, और परिवार के साथ बिताएँ। यह न केवल आपके मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत करेगा, बल्कि आपको एक संतुलित, सुखी, और सफल जीवन की ओर ले जाएगा। आज से ही शुरुआत करें अपने फोन को एक तरफ रखें, गहरी सांस लें, और अपने सपनों की ओर कदम बढ़ाएं। आपका दिमाग और आपका समय आपकी सबसे बड़ी ताकत हैं, इनका सही उपयोग करें।

सामान्य ज्ञान

1. ब्रजभाषा' है -
(ए) पूर्वी हिन्दी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) बिहारी हिन्दी
(डी) पहाड़ी हिन्दी

2. मगही' किस भाषा की बोली है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पश्चिमी हिन्दी
(सी) पूर्वी हिन्दी
(डी) बिहारी

3. हिन्दी खड़ी बोली किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
(ए) मागधी
(बी) अर्धमागधी
(सी) शौरसेनी
(डी) ब्राचड़

4. भाषा के आधार पर राज्यों की पुनः संरचना की गयी थी ?
(ए) 1952 ई. में
(बी) 1953 ई. में
(सी) 1954 ई. में
(डी) 1956 ई. में

5. भाषाई आधार पर सर्वप्रथम किस राज्य का गठन हुआ?
(ए) पंजाब
(बी) जम्मू-कश्मीर
(सी) रजस्थान
(डी) आंध्र-प्रदेश

6. बघेली बोली का संबंध किस उपभाषा से है ?
(ए) राजस्थानी
(बी) पूर्वी हिन्दी
(सी) बिहारी
(डी) पश्चिमी हिन्दी

7. किस तिथि को हिन्दी को राजभाषा बनाने का निर्णय लिया गया ?
(ए) 15 अगस्त, 1947 ई.
(बी) 26 जनवरी, 1950 ई..
(सी) 14 सितम्बर, 1949 ई..
(डी) 14 सितम्बर, 1950 ई.

8. वर्ष 1955 ई. में गठित प्रथम राजभाषा आयोग के अध्यक्ष थे -
(ए) बी. जी. खेर
(बी) सुनीति कुमार चटर्जी
(सी) जी. बी. पन्त
(डी) पी. सुव्योरोयान

उत्तर 1.(बी) 2.(डी) 3.(सी) 4.(डी) 5.(डी) 6.(बी) 7.(सी) 8.(ए)

खबर संक्षेप

बेड़े में शामिल हुआ नया सेफ सेवा वाहन

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन के बेड़े में एक नया सेफ सेवा वाहन शामिल किया गया है, जिसे होम्योपैथी की एक कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर प्रतीक श्रेष्ठा ने अपने सीएसआर फंड के तहत फाउंडेशन को भेंट किया। यह कार्यक्रम गेटवे शिक्षण संस्थान के परिसर में आयोजित किया गया, जिसमें एक्जीक्यूटिव चेयरमैन राकेश अग्रवाल और डायरेक्टर जनरल (सेवानिवृत्त कर्नल) डॉ. अमिक गर्ग, कंपनी सेक्रेट्री एडवोकेट श्याम कुमार विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए।

बढ़ रही जातीय हिंसा चिंता का विषय : सौदा

सोनीपत। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता राकेश सौदा एडवोकेट ने केंद्र और राज्य सरकारों पर जातीय हिंसा बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सत्ता की लालसा ने देश में नफरत का माहौल बना दिया है। रायबरेली में हरिओम वाल्मीकि की हत्या, सोनीपत के खेवड़ा में दलित सरपंच बहादुर के साथ मारपीट आईपीएस वाई पूरन की आत्महत्या जैसे मामले भाजपा शासन की मानसिकता दर्शाते हैं। सौदा ने कहा कि सरकार को दलितों की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

तेरह को लगाएंगे जागरूकता शिविर

सोनीपत। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र अंतराष्ट्रीय प्राकृतिक आपदा न्यूनीकरण दिवस के अवसर पर हिंदू कन्या कॉलेज, काठ मंडी में 13 अक्टूबर को जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर का आयोजन हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार किया जा रहा है। उन्होंने बताया इस शिविर के माध्यम से महिलाओं को महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानों जैसे नालसा की योजनाओं, नालसा हेल्पलाइन व नालसा के बारे में जागरूक किया जाएगा।

सफाई कर्मचारियों ने काम छोड़कर निगम गेट पर दिया धरना

समस्याओं के समाधान तक हड़ताल जारी रखने का ऐलान, नारेबाजी की

हटाए कर्मचारियों को अब तक नहीं किया बहाल

कर्मचारियों के नाम भी पोर्टल पर अब तक नहीं डाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ठेका सफाई कर्मचारी एकता मंच, मूल निवासी कर्मचारी कल्याण महासंघ और सहयोग बलि सेना से जुड़े सफाई कर्मचारियों ने काम छोड़कर नगर निगम गेट पर हड़ताल शुरू कर दी है। हालांकि शुक्रवार को धरने का दसवां दिन था, लेकिन अब तक हड़ताली अब तक अपना काम करने के बाद धरना देते थे। हड़ताल की अध्यक्षता प्रधान मुकेश टांक ने की, जबकि संचालन सचिव सावन कुमार ने किया।

प्रधान मुकेश टांक ने बताया कि हटाए गए सफाई कर्मचारियों को अब तक ड्यूटी पर बहाल नहीं किया गया है और न ही सभी कर्मचारियों के नाम पोर्टल पर डाले गए हैं। यूनियन प्रतिनिधिमंडल तीन बार विधायक निखिल मदान और एक बार मेयर राजीव जैन से मुलाकात कर चुका है, लेकिन किसी भी स्तर पर समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इसी कारण सफाई कर्मचारियों ने हड़ताल को जारी रखने का निर्णय लिया है।

धरने पर पहुंचे बलि सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसविंदर पहलवान ने कहा कि जब तक हटाए गए कर्मचारियों को ड्यूटी पर वापस नहीं लिया जाता और सभी कर्मचारियों के नाम पोर्टल पर नहीं चढ़ाए जाते, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि सरकार और निगम प्रशासन कर्मचारियों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं ले रहे।

सोनीपत। धरने पर बैठे ठेका सफाई कर्मचारी। *फोटो :हरिभूमि*

सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे

प्रधान मुकेश टांक ने बताया कि आज फिर निगम के मेयर राजीव जैन से मुलाकात हुई, जिन्होंने जल्द समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है न तो समय पर वेतन मिलता है और न ही उन्हें सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। सफाई कर्मचारियों ने दोहराया कि उनकी प्रमुख मांग ठेका प्रथा समाप्त कर सभी सफाई कर्मचारियों को विभागीय रोल पर लेने या हरियाणा कौशल रोजगार निगम में समायोजित करने की है। हड़ताल स्थल पर सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे और उन्होंने एक स्वर में कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, आंदोलन जारी रहेगा।

गन्नौर। मासिक बैठक के दौरान उपस्थित किसान नेता। *फोटो :हरिभूमि*

गन्नौरः भाकियू ने सरकार व प्रशासन से की किसानों की समस्याओं के समाधान की मांग

गन्नौर। भारतीय किसान यूनियन अंबावता गुट की मासिक बैठक खेड़ी गुर्जर रोड स्थित जाट धर्मशाला में बलजीत मलिक की अध्यक्षता में हुई। जिसमें किसने की समस्याओं को लेकर विभिन्न विश्व पर विचार विमर्श के बाद प्रशासन व सरकार से समाधान की मांग की। बलजीत मलिक ने कहा कि बरसात से खराब फसल की गिरदावरों अभी तक नहीं की गई जिससे किसानों में काफी रोष है, क्योंकि गिरदावरी न होने के कारण अगली फसल की बुवाई में देरी हो रही है। उनकी सरकार से अपील है कि मुआवजे के लिए जल्दी गिरदावरी करवाई जाए। किसानों के लिए डीएपी व यूरिया खाद की कमी को जल्दी पूरा किया जाए। सोनीपत में शुगर मिल की मेंटेनेंस भी जल्दी की जाए ताकि किसानों का मिल में गन्ना समय पर पहुंचे और किसानों को दिक्कत न आए। सरकारी दुकानों पर किसानों को गेहूं को बीज भी समय पर उपलब्ध करवाया जाए। सरकार से धान व बाजरे की सरकारी खरीद शुरू करवाने की मांग की। जिलाध्यक्ष जय भगवान मालिक, ओमप्रकाश, रोहतास बैनिवाल, जगबीर, रामधन आदि मौजूद रहे।

खरखौदा। एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन देते किसान। *फोटो :हरिभूमि*

किसानों ने बाजरे की खरीद के मुद्दे को लेकर सौंपा ज्ञापन

- खराब हुई फसलों के लिए मुआवजा जल्द से जल्द दिया जाए
- बाजरे की खरीद के लिए तुरंत व्यवस्था की जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

बाजरे की खरीद के मुद्दे लेकर किसानों ने सीएम के नाम एसडीएम कार्यालय में ज्ञापन सौंपा है। किसान और किसान नेता लगातार सरकार से मांग कर रहे हैं कि बाजरे की खरीद के लिए उचित व्यवस्था की जाए। किसान बलवान नंबरदार, संदीप, धर्मवीर, जिंदर, जसबीर ,बलराज आदि का कहना है कि बाजरे की फसल तैयार है, लेकिन सरकार द्वारा खरीद नहीं की जा रही है। इससे किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। कई जगह तो फसल खराब होने के कगार पर हैं। किसानों ने सरकार से मांग की है कि बाजरे की खरीद के लिए तुरंत व्यवस्था की जाए। साथ ही, खराब हुई फसलों के लिए मुआवजा दिया जाए।

आयोजित किए जाएंगे जागरूकता शिविर

सोनीपत। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रचेता सिंह ने बताया कि अंतराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर डीएलएसए व डॉ. बीआर अंबेडकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, सोनीपत द्वारा एसएम हिंदू व हिंदू कन्या स्कूल में जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का आयोजन प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक किया जाएगा। उन्होंने बताया इस शिविर के माध्यम से स्कूली विद्यार्थियों को महत्वपूर्ण कानूनी प्रावधानो जैसे पोक्सो एक्ट, पोश एक्ट, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम और नालसा की योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाएगा।

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

सोनीपत। पौधारोपण करते फाउंडेशन के सदस्यगण। *फोटो :हरिभूमि*

सोनीपत। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और गांवों को हरित बनाने के उद्देश्य से हिंट क्लब फाउंडेशन ने शुक्रवार को बहालगढ़ गांव में वृक्षारोपण अभियान चलाया। फाउंडेशन के सदस्य रामनिवास व उनकी टीम ने दर्जनों पौधे लगाकर स्वच्छ व हरा-भरा वातावरण का संदेश दिया। इस अभियान में कौशल खुराना, हैप्पी, संदीप, चेतन, प्रिंस सहित कई स्वयंसेवक शामिल रहे। रामनिवास ने कहा कि पौधारोपण सिर्फ एक दिन का कार्य नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति आजीवन जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि प्रत्येक व्यक्ति साल में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल करे, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण मिल सके।

बास्केटबॉल प्रतियोगिता : फाइनल में सोनीपत ने जमाई धाक

58वीं स्कूल स्टेट प्रतियोगिता का समापन, सर छोटूराम स्कूल में आयोजन

- अंडर-17 वर्ग के फाइनल मुकाबले में जींद को मात दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सर छोटूराम मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रतनगढ़ माजरा में आयोजित 58वीं स्कूल स्टेट बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आज भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में अंडर-17 और अंडर-19 आयु वर्ग की टीमें रोमांचक और उच्चस्तरीय खेल प्रदर्शन करते हुए फाइनल तक पहुंचीं। अंडर-17 वर्ग के फाइनल मुकाबले में सोनीपत ने जींद को हराकर पहला स्थान हासिल किया। अंडर-19 वर्ग के फाइनल मुकाबले में सोनीपत ने गुरुग्राम को हराकर खिताब अपने नाम किया। अंडर-17 वर्ग में सोनीपत प्रथम रहा, तो द्वितीय स्थान जींद को और तृतीय स्थान हिसार के नाम रहा, चतुर्थ स्थान पर रेवाड़ी काबिज हुआ। अंडर-19 वर्ग में सोनीपत प्रथम, गुरुग्राम द्वितीय, हिसार तृतीय और महेंद्रगढ़ चतुर्थ स्थान पर रहे।

सोनीपत। विजेता खिलाड़ियों के साथ अतिथि एवं स्कूल स्टाफ।

खेल टीम भावना सिखाने का बड़ा मंच

प्रतियोगिता के दौरान मुख्य अतिथि बीईओ सुरजभान, चांदकिशोर (हेडमास्टर सिटावाली), अनिल गोयल (प्राचार्य लाठ), रमबीर, राकेश, नरेंद्र, अनिल हुड्डा, सितेंदर, (प्राचार्य गोहाना) रहे। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य डॉ. मेहर सिंह आर्या, चेयरमैन जगदीश लोहचब, मैनेजर बिमला दहिया और उप प्राचार्या अनिता लोहचब उपस्थित थे। डॉ. मेहर सिंह आर्या ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा: "खेल केवल जीत और हार का माध्यम नहीं है। यह अनुशासन, साहस और टीम भावना सिखाने का सबसे बड़ा मंच है। खेल भावना हमेशा आपके जीवन में निष्ठा और समर्पण का प्रतीक बने।

योग और ध्यान मानसिक स्वास्थ्य का शक्तिशाली साधनः डॉ. सुरेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

सेक्टर-7 स्थित महर्षि दयानंद सरस्वती पार्क में फ्री योग कक्षा में मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया । अध्यक्षता योग सहायक आजाद सिंह दांगी ने की। मुख्य वक्ता योगाचार्य डॉ. सुरेश सैनी ने कहा योग और ध्यान मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और तनाव कम करने के लिए एक शक्तिशाली साधन हैं जो समग्र दृष्टिकोण प्रदान करता है। शारीरिक योग आसनों, श्वास तकनीकी और ध्यान को एकीकृत योग न केवल शरीर अपितु मन दोनों को संबोधित करता है।

गोहाना। योग और ध्यान करते साधक। *फोटो : हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इससे भावनात्मक स्वास्थ्य में सुधार, बेहतर नींद और संज्ञानात्मक कार्य में सुधार होता है। योग सहायक आजाद सिंह दांगी ने कहा कि योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करने से आपको गहन मानसिक स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। योग कक्षा में सुरेश पंवार, विकास कुमार, रणधीर राठी, सरवर पांचाल, विजेंद्र रोहिल्ला, सुनील चौहान, संतोष शर्मा, बीरमति ,संजू रानी, कमला और रमादेवी विशेष रूप से मौजूद रहे।

खरखौदा। गली में टूटा पड़ा सीवर। *फोटो :हरिभूमि*

दो माह से टूटा पड़ा सीवर का ढक्कन

खरखौदा। शहर के वार्ड संख्या 9 में पिछले दो महीने से सीवर के मेन होल ढक्कन टूटा हुआ है। गली की चौड़ाई कम होने के कारण यहां से राहगीरों का निकलना दूभर हो गया है। वार्ड 9 के पालिका पार्षद संजय पंवार का कहना है कि इस संबंध में कई बार विभागीय अधिकारियों को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं हुआ। टूटे हुए ढक्कन के कारण गंदा पानी गली में फैल रहा है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, गंदगी और मच्छरों की बढ़ती समस्या से बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि सीवर का यह गड्ढा दुर्घटना का कारण बन सकता है, लेकिन फिर भी संबंधित विभाग कुंभकर्णी नींद में सोया है। लोगों ने जन स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि शीघ्र सीवर का ढक्कन ठीक करवाया जाए, ताकि आवाजाही सुगम हो सके।

बच्चों का पोषण सही होगा तभी वे बेहतर सीख पाएंगे : कोमल

- पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत भैंसवाल कलां में कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

महिला एवं बाल विकास विभाग के सहयोग से रॉकेट लर्निंग द्वारा क्षेत्र के गांव भैंसवाल कलां में पोषण भी पढ़ाई भी अभियान के तहत एक विशेष सत्र का आयोजन किया । कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को प्रारंभिक बाल शिक्षा (ईसीसीई) और पोषण दोनों के महत्व के बारे में जागरूक करना था। जागरूकता कार्यक्रम को-ऑर्डिनेटर कोमल और सुपरवाइजर स्वीटी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। को-ऑर्डिनेटर कोमल ने कहा कि यदि बच्चों का पोषण सही होगा तो ही वे बेहतर ढंग से सीख पाएंगे। बच्चों के विकास में अभिभावकों की भागीदारी आवश्यक है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास और सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। अभिभावकों को प्रतिदिन बच्चों के साथ कुछ समय पढ़ाई में बिताने और उनका पढ़ाई का पार्टनर बनने के लिए प्रेरित किया गया।

गोहाना। कार्यक्रम में आयोजकों के साथ अभिभावक और बच्चे। *फोटो :हरिभूमि*

किसान अपने खेत की मिट्टी में मिला दें धान की पराली, बढ़ेगी फसल पैदावार

- गांव आहुलाना में पराली प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गांव आहुलाना में पराली प्रबंधन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। किसानों को जागरूक करने के लिए विभाग के एसडीओ डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेहरा अपनी टीम के साथ पहुंचे। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि किसान धान की पराली को जलाएं नहीं। पराली जलाने से पर्यावरण प्रदूषित होता है और भूमि की उर्वरा शक्ति भी नष्ट होती है।

गोहाना। किसानों को पराली प्रबंधन बारे जागरूक करते अधिकारीगण।

पराली जलाना कानूनी रूप से दंडनीय अपराध

किसान पराली का खेत में ही प्रबंधन करें। पराली को खेत की मिट्टी में मिलाने से खेत उपजाऊ बनता है और फसलों की पैदावार अच्छी होती है। खेत में ही पराली का प्रबंधन करने से खेत में अधिक मात्रा में रासायनिक खाद भी नहीं डालने पड़ेंगे। पराली जलाना कानूनी रूप से दंडनीय अपराध है। पराली जलाने पर केस दर्ज होगा और जुर्माना भी लगाया जाएगा। कार्यक्रम में एसएमएस डॉ. सितेंद्र मलिक, टीए डॉ. विपिन सैनी, बीएओ डॉ. संजीत मलिक, एटीएम कृष्ण खासा और फील्डमेन ललित उपस्थित रहे।

कृषि एवं पर्यटन दौरा

सोनीपत। जीवीएम गर्ल्स कालेज की भूगोल की छात्राओं ने प्रतापगढ़ का कृषि एवं पर्यटन दौरा किया। संस्था के प्रधान डा. ओपी परूथी व प्राचार्या डा. मंजुला स्पाह ने सफल दौरा कार्यक्रम के लिए बधाई देते छात्राओं को प्रोत्साहित किया कि इस प्रकार के भ्रमण कार्यक्रमों का अधिकाधिक लाभ उठायें। प्राध्यापिकाओं सहायक प्रोफेसर डा. पिंकी दहिया, नैन्सी व लैब अटैंडेंट मीना के नेतृत्व में भूगोल की स्नातकीय व स्नातकोत्तर की 37 छात्राओं ने शैक्षणिक भ्रमण किया। इस दौरान फील्ड गाइड के रूप में महक ने छात्राओं को फार्मिंग, हर्ब गार्डन व मुर्गी पालन की विस्तृत जानकारी दी। छात्राओं ने कृषि पद्धति, पशुधन प्रबंधन व खेती के औजारों के साथ मुर्गी पालन के रखरखाव और आर्थिक मूल्य को समझने का व्यावहारिक अनुभव हासिल किया।

ब्राइट स्कॉलर में मनाया मानसिक स्वास्थ्य माह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

ब्राइट स्कॉलर सीनियर सैकेंडरी विद्यालय में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता माह के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गई। जिसके तहत मूडो मीटर और सराहना चक्र गतिविधि गतिविधियों के साथ मानसिक स्वास्थ्य माह मनाया गया। मूडो मीटर गतिविधि का उद्देश्य बच्चों को अपनी भावनाओं को पहचानना और उन्हें सही तरीके से व्यक्त करना सिखाना था। इस गतिविधि के अंतर्गत प्रत्येक विद्यार्थी ने एक कार्ड तैयार किया।

सकारात्मक विचार सांझा किए

जिस पर अपना नाम लिखा और उसमें चार इमोशन कार्ड खुश , उदास , गुस्सा और अस्वस्थ बनाए। इन कार्ड्स की मदद से छात्रों ने दिनभर अपनी मनःस्थिति को दर्शाया और अपने साथियों व शिक्षकों से सांझा किया। विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन भी किया गया इसके अतिरिक्त, सराहना चक्र गतिविधि भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने एक-दूसरे की खूबियों की सराहना करते बैज पहने और सकारात्मक विचार सांझा किए। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाना, सहानुभूति विकसित करना और एक-दूसरे के प्रति सम्मान की भावना उत्पन्न करना था।

सोनीपत। ब्राइट स्कॉलर में प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ प्राचार्या एवं अन्य।

JANTA COLLEGE OF PHARMACY
BUTANA (SONEPAT)
Approved by AICTE, PCI, New Delhi and affiliated to Pt. B.D Sharma University of Health Sciences, Rohtak and HSBTE, Panchkula
Applications are Invited For Admissions at Institute Level Manual Counseling For Left Over & Management Quota, EWS & TFW seats in B.Pharmacy, D.Pharmacy for the Session 2025-26 up to 13/10/2025. For more details visit our website: www.jcpbutana.com
PRINCIPAL

खबर संक्षेप

डीटीपी ने अवैध कॉलोनी को ध्वस्त किया

खरखौदा। जिला नगर योजनाकार अजमेर सिंह का कहना है कि अवैध कॉलोनियों और निर्माणों को प्रारंभिक चरण में ही ध्वस्त करने के लिए उपायुक्त सुशील सारवान के निर्देशानुसार प्रशासन द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। बृहस्पतिवार को खरखौदा में गोपालपुर मार्ग व एनएच 334 बी के समीप वाटर पार्क के पास लगभग 11.5 एकड़ में बनी अवैध कालोनियों में 1 चारदीवारी व कच्चा मार्ग को ध्वस्त किया गया है।डीटीपी अजमेर सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। ऐसी कॉलोनियों में सरकार द्वारा कोई भी मूलभूत सुविधा जैसे सडक, पानी, सीवरेज या बिजली प्रदान नहीं की जाती है।

वाहन ने सड़क पार कर रहे युवक को कुचला

सोनीपत। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर शुक्रवार को हुए सड़क हादसे में एक 45 वर्षीय व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा उस समय हुआ जब वह व्यक्ति सड़क पार कर रहा था। अचानक तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से वह सड़क पर गिर पड़ा और गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसा देखने वाले राहगीरों ने तुरंत घायल व्यक्ति को नागरिक अस्पताल सोनीपत पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। सूचना मिलने पर संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है, आरोपी को जल्द गिरफ्तार करेंगे।

आयुष विभाग के शिविर में 198 लोगों की जांच

सोनीपत। जिलेभर में आयुष चिकित्सा शिविरों का आयोजन किया गया। पुरखास शिव मंदिर में डा. सन्नी, पीपली खेड़ा शिव मंदिर में डा. जयदीप और कुंडली दादा भाई मंदिर में डा. अभिषेक के नेतृत्व में शिविर लगाए गए। इन शिविरों में कुल 198 लोगों की जांच की गई और उन्हें निःशुल्क दवाएं वितरित की गईं। फार्मासिस्ट मनदीप, ऊषा, सुनील, योग सहायक दिनेश, सुनील, जोगिंदर और नीरज ने शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

करवा चौथ : सामूहिक कथा और पूजा-अर्चना के बाद रात को शहर में रही रौनक

सुहागिनों ने निर्जला व्रत रखकर शाम को छलनी से 'चांद' का 'दीदार' कर खोला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सुहागिनों के सबसे प्रिय पर्व करवाचौथ की धूम शुक्रवार को जिलेभर में देखने को मिली। सुहागिनों ने दिनभर निर्जला व्रत रखकर शाम को छलनी से चांद का दीदार किया और अपने जीवनसाथी की दीर्घायु की कामना की। सुबह से ही महिलाओं में उत्साह और पारंपरिक उल्लास देखने को मिला।

घरों में पूजा-अर्चना

दुल्हन की तरह सजी महिलाएं दिनभर तैयारियों में व्यस्त रहीं। मंदिरों और घरों में पूजा-अर्चना और कथा-संविधान का आयोजन हुआ। शहर के विभिन्न इलाकों—मॉडल टाउन, हुड्डा सेक्टर, सिविल रोड और मुरथल रोड—पर सुहागिनें पारंपरिक वेशभूषा में सजी दिखाई दीं। दिनभर त्योहार का माहौल रहा।

करवा चौथ की कथा सुनी

कई महिलाओं ने सामूहिक रूप से करवाचौथ की कथा सुनी। कथा के दौरान रानी वीरावती की कथा का उल्लेख हुआ, जिसने देवी पार्वती के आशीर्वाद से अपने पति का जीवन पुनः प्राप्त किया था। महिलाओं ने बताया कि यह कथा करवाचौथ के व्रत का सबसे अहम हिस्सा है, जिसे सुने बिना व्रत अधूरा माना जाता है।

सेल्फी का क्रेज

इस शुभ अवसर पर बाजारों में भी दिनभर रौनक छाई रही। मेंहदी आर्टिस्ट्स के स्टॉल, साड़ी, ज्वेलरी, बांगल्स और पूजा सामग्री की दुकानों पर भीड़ लगी रही। शाम के समय होटलों और रेस्टोरेंट्स में पहले से बुकिंग कराई गई थी, जहां परिवारों ने मिलकर त्योहार का आनंद लिया। वहीं दूसरी व्रत खुलने के बाद महिलाएं अपने पति के साथ सेल्फी लेते नजर आईं, वहीं पूरे शहर में देर रात तक उल्लास और पारिवारिक मेलजोल का माहौल बना रहा। सोनीपत का हर कोना सुहाग और समर्पण के इस पर्व की चमक में नहाया रहा।

रात को 8 बजे के बाद हुए चांद के दर्शन

रात करीब 8:24 बजे जैसे ही आसमान में चांद का दर्शन हुआ, सुहागिनों के चेहरे खुशी से खिल उठे। उन्होंने छलनी में से चांद और फिर अपने पति का चेहरा देखा, अर्घ्य दिया और विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद पतियों ने अपनी पत्नियों को जल पिलाकर व्रत खुलवाया। बुजुर्गों से आशीर्वाद लेने की परंपरा भी निभाई गई।

37 सड़कें चिन्हित, स्वच्छता प्रहरियों की टीम का गठन

सोनीपत। बैठक के दौरान उपस्थित टीम सदस्यों को संबोधित करते हुए मेयर राजीव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

हरियाणा शहरी स्वच्छता अभियान के तहत निगम की मुख्य सड़कों पर सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से हो इसके लिए 37 सड़कें चिन्हित करके नगर निगम के अधिकारियों सफाई सुपरवाइजर एवं सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले स्वच्छता प्रहरियों की संयुक्त टीम का गठन किया गया है। नवगठित टीम की निगम परिसर में आयोजित पहली बैठक में मेयर राजीव जैन ने कहा कि सभी अपने अपने हिस्से में आई सड़क पर स्वच्छता का ध्यान रखते हुए सुबह साफ सफाई करवाएंगे। उन्होंने कहा कि सड़क पर कंही अनावश्यक कूड़ा दिखाई ना दे इसके लिए अपने अपने क्षेत्र की सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का सहयोग करें।

मिशन सफल होगा

उन्होंने आगे कहा कि स्वच्छता हमारा कर्म, हमारा धर्म है और इसे अपनी आत्मा में बसाना होगा तभी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वच्छता मिशन सफल हो सकेगा। मेयर जैन ने कहा कि जेबीएम कंपनी को निर्देश दिए हैं कि घर घर कूड़ा उठाने के काम को गति दें ताकि लोग गलियों एवं सड़कों पर कूड़ा ना डालें।

ये रहे मौजूद

बैठक में स्वच्छता के नोडल अधिकारी अनिल दून, पार्षद हरिप्रकाश सैनी, सुरेंद्र नैय्यर, अतुल जैन, महेश लूथरा, संजीव वलेचा, मनोनीत पार्षद चरण सिंह जोगी, प्रवीण सैनी, गौरव भोला, नीरज सोनी, राजकुमार शर्मा, पूर्व पार्षद संजय मोजी, नकीन मेहरा, अनिल ग्रोवर, अशोक शर्मा, रजत जैन, सुरजीत व अन्य मौजूद रहे।

विवि का निरीक्षण करेंगे माननीय

विस समिति 13 को करेगी खेल विश्वविद्यालय राई को दौरा

- समीति में शामिल होंगे 10 विधायक, विधायक मनमोहन भढ़ाना की अध्यक्षता में होगी बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

उपायुक्त सुशील सारवान ने बताया कि 13 अक्टूबर को हरियाणा विधानसभा की युवा कल्याण एवं युवा मामले विषय समीति खेल विश्वविद्यालय राई को दौरा करेगी।

विधायक मनमोहन भढ़ाना की अध्यक्षता में प्रधान सचिव खेल विभाग हरियाणा सरकार एवं निदेशक, खेल विभाग, हरियाणा के साथ कमेटी द्वारा तैयार प्रशनवाली पर प्राप्त उत्तरों के संबंध में एक साझा बैठक का आयोजन दोपहर 12 बजे किया जाएगा। बैठक उपरान्त समीति के द्वारा खेल विश्वविद्यालय का निरीक्षण भी किया जाएगा।

ये विधायक शामिल

उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि समीति में कुल 10 विधायक शामिल होगे। जिसमें विधायक मनमोहन भढाना अध्यक्ष होंगे, विधायक निखिल मदान सदस्य, विधायक देवेंद्र सिंह कादियान सदस्य, विधायक सतपाल जांबा सदस्य, विधायक हरिंदर सिंह सदस्य, विधायक अर्जुन चौटाला, विधायक विनेश, विधायक गोकुल सेतिया, विधायक बलराम दांगी व विधायक जस्सी पेटवार शामिल होंगे।

जिले की सड़कें बनीं खतरा, आप ने मलहाना रोड हादसे पर उठाए सवाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

- आप ने नेता देवेंद्र गौतम बोले- दो दिन तक सड़क की मरम्मत नहीं हो सकी, प्रशासन ने मांगा जवाब

सोनीपत की मलहाना रोड पर हुए हादसे ने प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर दिया है। बीती 8 अक्टूबर की रात सरिया से लदे ट्रक के गुजरते ही सड़क का काफी हिस्सा धंस गया, जिसमें ट्रक और हाईड्रा दोनों फंस गए। हादसे के दो दिन बाद भी मरम्मत कार्य शुरू न होने पर आप हरियाणा के सोनीपत लोकसभा क्षेत्र अध्यक्ष देवेंद्र गौतम ने सरकार और प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

गौतम ने कहा कि शहर की सड़कें अब जनता के लिए मौत का फंदा बन चुकी हैं। उन्होंने पूछा कि क्या सड़कें चलने के लिए बनी हैं या दफन होने के लिए, उन्होंने आरोप लगाया कि सड़क की परतों में मानक सामग्री का अभाव है, जिससे निर्माण गुणवत्ता पर सवाल खड़े होते हैं। उन्होंने मांग की कि हादसे की तकनीकी जांच कर दोषी ठेकेदार और अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज की जाए, साथ ही शहर की सभी मुख्य सड़कों का सुरक्षा ऑडिट सात दिन में कराया जाए। गौतम ने चेतावनी दी कि अगर प्रशासन ने कार्रवाई नहीं की तो आम आदमी पार्टी सड़क सुरक्षा आंदोलन शुरू करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे सड़कें लोगों के लिए बड़ा खतरा बन गई है।

फेंसिंग में खिलाड़ियों ने जीते पदक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

- प्रताप स्कूल के छात्र छाए

रुद्रपुर (उत्तराखंड) में आयोजित सीबीएसई नेशनल फेंसिंग चैम्पियनशिप में प्रताप स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 6 पदक - 4 स्वर्ण व 2 कांस्य जीतकर विद्यालय और प्रदेश का नाम रोशन किया। प्रताप स्कूल के आयुष सैनी, अमन, आयुष और शिवम दहिया ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। वहीं गर्वित सिंह और शिवम दहिया ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। खिलाड़ियों के विजयी लौटने पर विद्यालय परिसर में उनका स्वागत किया गया। द्रोणाचार्य अवार्डी ओपी दहिया, संस्थापक सतप्रकाश दहिया, दया दहिया और एकेडमिक डायरेक्टर डॉ. सुबोध दहिया ने विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया। विजेता खिलाड़ियों को प्रधान वेदप्रकाश दहिया ने विशेष बधाई दी।

बाजारों में बढ़ाई जाएगी गश्त : एसीपी

- एसीपी की अध्यक्षता में ज्वेलर्स संगठन के साथ सुरक्षा गोष्ठी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

कोट मोहल्ला सोनीपत में ज्वेलर्स संगठन के साथ एक सुरक्षा गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) अमित धनखड़ ने की। इस दौरान थाना प्रभारी, ओल्ड सिटी चौकी प्रभारी सहित पुलिस अधिकारी तथा ज्वेलर्स संगठन के प्रधान व पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।गोष्ठी में क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था, अपराध रोकथाम और पुलिस-ज्वेलर्स समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई।

सोनीपत। बैठक के दौरान मौजूद पुलिस अधिकारी व अन्य।

ज्वेलर्स संगठन से मांगा सहयोग

उन्होंने बताया कि पुलिस और व्यापारिक संगठनों के बीच निरंतर संवाद एवं आपसी सहयोग से ही अपराधों की रोकथाम को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। एसीपी ने रात्रि गश्त के दौरान पुलिस को सहयोग देने और अपने क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। ज्वेलर्स संगठन के प्रतिनिधियों ने पुलिस द्वारा उठाए जा रहे सुरक्षा कदमों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संवादात्मक कार्यक्रमों से व्यापारी वर्ग में विश्वास बढ़ता है और सुरक्षा तंत्र मजबूत होता है।

जूडो में इंदू और रिंकू ने जीता सोना

- राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में ग्लोबल पब्लिक स्कूल के खिलाडियों का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

राज्य स्तरीय जूडो प्रतियोगिता में ग्लोबल पब्लिक स्कूल, खानपुर कलां के चार खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। इनमें छात्रा विजेता का चयन राष्ट्रीय स्तरीय जूडो प्रतियोगिता के लिए कर लिया गया। शुक्रवार को स्कूल के एमडी पंकज जाले और प्राचार्या प्रीति शर्मा ने पदक विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। खिलाड़ियों के इस उत्कृष्ट प्रदर्शन में कोच संदीप और प्रवीण का सराहनीय योगदान रहा।

सोनीपत। पदक विजेता खिलाड़ी अपने शिक्षकों के साथ।

कैथल में जिले का नाम रोशन किया

कैथल में 3 से 7 अक्तूबर तक राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन खेलों में जूडो प्रतियोगिता में ग्लोबल पब्लिक स्कूल की कराटे अकादमी के खिलाड़ी गांव खानपुर कलां निवासी छात्रा विजेता पुत्री सुरेंद्र ने 70 किलोग्राम भारवर्ग, इंदू पुत्री हरिओम ने 44 किलोग्राम भारवर्ग और वंश पुत्र रिंकू ने 40 किलोग्राम भारवर्ग में स्वर्ण पदक तो छात्रा रितिका पुत्री कुलदीप ने 70 किलोग्राम भारवर्ग में रजत पदक कब्जा लिया। राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर छात्रा विजेता जांगड़ा का चयन मणिपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता के लिए कर लिया गया।

सड़क हादसे में एक की मौत, एक घायल

गन्नौर। चिरस्मी रोड पर डीआईटीएम कालेज के पास देर शाम दो बाइकों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस सड़क हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद राहगीरों ने तुरंत घायलों को गन्नौर के उपमंडल अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान एक व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान 40 वर्षीय सतीश निवासी बजाना खुर्द, हाल निवासी स्वरूप नगर, गन्नौर के रूप में हुई है। हादसे में दूसरी बाइक पर सवार दीपांशु निवासी गांव चिरस्मी, गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद इलाज के लिए रेफर किया गया।

विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपित गिरफ्तार

गन्नौर। थाना गन्नौर पुलिस ने विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान मनोज निवासी मंगाला, जिला सिरसा के रूप में हुई है। थाना प्रभारी निरीक्षक धीरज कुमार ने बताया कि कैलाना निवासी योगेश ने 12 मार्च 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने आरोपित मनोज को स्टडी वीजा लगवाने के नाम पर बैंक व आनलाइन माध्यम से 8 लाख 42 हजार रुपये दिए थे। तय समय बीत जाने के बाद भी वीजा नहीं लगवाया गया और न ही पैसे लौटाए गए। आरोपित ने लिखित रूप में यह भी स्वीकार किया था कि यदि 12 दिसंबर 2024 तक रुपये नहीं लौटाए तो वह ब्याज सहित भुगतान करेगा, लेकिन उसने दिए दो चैक भी बाउंस हो गए। शिकायत पर थाना गन्नौर में मामला दर्ज किया गया था। जांच अधिकारी एएसआई कुलदीप ने टीम आरोपित मनोज को गिरफ्तार किया। आरोपी से पूछताछ चल रही है।

आरोपी की पहचान सिरसा के मनोज के रूप में हुई

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

त्योहार | धनतेरस से भाई दूज तक उत्सवों की श्रृंखला

छह दिनों तक जगमगाएगी दीपावली, 18 से 23 अक्टूबर तक रहेगा उल्लास और श्रद्धा का पर्व

18 अक्टूबर को धनतेरस से होगा और समापन 23 अक्टूबर को भाई दूज के साथ होगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

डा. मनमोहन मिश्रा।

इस वर्ष दीपावली विशेष खगोलीय संयोगों के साथ छह दिनों तक मनाई जाएगी। धर्माचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि तिथियों के बदलाव के कारण पंचमहापर्व का यह महोत्सव 18 अक्टूबर से आरंभ होकर 23 अक्टूबर तक चलेगा। दीपावली केवल एक दिन का नहीं, बल्कि पांच प्रमुख पर्वों का उत्सव है, जो धनतेरस से लेकर भाई दूज तक लोगों के घरों और दिलों को रोशन करता है। दीपों का पर्व दीपावली इस वर्ष विशेष संयोग लेकर आ रहा है। तिथियों में बदलाव के कारण यह पर्व पारंपरिक पांच नहीं, बल्कि छह दिनों तक मनाया जाएगा। धर्माचार्य डॉ. मनमोहन मिश्रा ने बताया कि दीपावली केवल एक दिन का नहीं बल्कि पांच प्रमुख त्योहारों का महापर्व है, जिसे पंचमहापर्व कहा जाता है। इस बार इसका शुभारंभ 18 अक्टूबर को धनतेरस से होगा और समापन 23 अक्टूबर को भाई दूज के साथ होगा।

डॉ. मिश्रा के अनुसार इस वर्ष धनतेरस से लेकर भाई दूज तक हर दिन का विशेष धार्मिक और ज्योतिषीय महत्व रहेगा। डॉ. मनमोहन मिश्रा ने कहा कि दीपावली का यह छह दिवसीय महापर्व केवल रोशनी का नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शुद्धि, कृतज्ञता और सद्भावना का प्रतीक है। इस अवधि में दीप जलाने के साथ-साथ आत्मा को भी ज्ञान और सदाचार के प्रकाश से आलोकित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हर मन में दीप जलेगा।

18 अक्टूबर, धनतेरस से होगी शुभ शुरुआत

डॉ. मिश्रा ने बताया कि दीपावली का आगाज 18 अक्टूबर को धनतेरस से होगा। इस दिन भगवान धव्वंतरि की जयंती भी मनाई जाएगी। कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी तिथि दोपहर 12:08 बजे शुरू होकर 19 अक्टूबर तक रहेगी। शाम के समय लक्ष्मी-गणेश और कुबेर की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन सोना, चांदी, बर्तन या नया सामान खरीदना शुभ माना जाता है, जो घर में समृद्धि का प्रतीक है।

19 अक्टूबर, नरक चतुर्दशी और यम दीपदान का पर्व

धनतेरस के अगले दिन 19 अक्टूबर को नरक चतुर्दशी मनाई जाएगी। यह दिन यमराज की आराधना और दीपदान के लिए विशेष माना जाता है। चतुर्दशी तिथि दोपहर 1:52 बजे शुरू होकर 20 अक्टूबर दोपहर 3:44 बजे समाप्त होगी। पूजा का शुभ मुहूर्त रात 11:41 से 12:31 बजे तक रहेगा। कहा जाता है कि इस दिन स्नान और दीपदान करने से पाप नष्ट होते हैं और दीर्घायु प्राप्त होती है।

20 अक्टूबर, अमावस्या पर दीपावली का मुख्य पर्व

डॉ. मिश्रा के अनुसार अमावस्या तिथि दो दिन रहेगी, लेकिन प्रदोष व स्थिर लग्न के संयोग से दीपावली 20 अक्टूबर को ही मनाई जाएगी। इस दिन मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा का सर्वोत्तम मुहूर्त शाम 7:08 से रात 8:18 बजे तक रहेगा। इसे महानिशा काल कहा जाता है, जब मां लक्ष्मी की उपासना से विशेष सिद्धि प्राप्त होती है। घर-आंगन में दीप सजाकर लोग अंधकार पर प्रकाश और अधर्म पर धर्म की विजय का उत्सव मनाएंगे।

22 अन्नकूट और गोवर्धन पूजा का पर्व

दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा या अन्नकूट मनाया जाएगा, जो इस बार तिथियों के कारण 22 अक्टूबर को पड़ेगा। प्रतिपदा तिथि 21 अक्टूबर शाम 5:54 से शुरू होकर 22 अक्टूबर रात 8:16 तक रहेगी। पूजा का श्रेष्ठ समय अपराह्न 3:29 से शाम 5:44 तक और गोधूली मुहूर्त शाम 5:44 से 6:10 तक रहेगा। इस दिन भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की कथा का स्मरण किया जाता है।

23 अक्टूबर, भाई दूज पर होगा समापन

पंचमहापर्व का समापन 23 अक्टूबर को भाई दूज के पावन पर्व से होगा। द्वितीया तिथि 22 अक्टूबर रात 8:16 से आरंभ होकर 23 अक्टूबर रात 10:46 तक रहेगी। तिलक का शुभ मुहूर्त दोपहर 1:13 से 3:28 बजे तक रहेगा। इस दिन बहनें भाइयों की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना कर तिलक करती हैं।